10 रिमझिम (हिन्दी) पगड़ी

Grade - 1

Classnotes

प्रश्नों को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1. हट्टी-कट्टी कौन दिख रही थी ?

a. मालिक
b. सेठ
c. **मालकिन**
d. सेठानी

2. झगड़ी शब्द का तुकांत शब्द है :

a. खिलाड़ी
b. **पगड़ी**
c. कड़ी
d. चली

3. पगड़ी कौन धो रहा था ?

a. धोबिन
b. **धोबी**
c. मालकिन
d. सेठानी

4. किसका मैल तर गया ?

a. धोती का
b. साड़ी का
c. **पगड़ी का**
d. चद्दर का

उपयुक्त शब्द का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए |

1. पगड़ी को बहुत __रगड़ा__ गया |

2. मालकिन बहुत __झगड़ी__ थी |

3. मैली पगड़ी __फट__ गई |

4. पगड़ी बहुत __मैली__ थी |

सही वाक्य के आगे सही (✓) और गलत वाक्य के आगे गलत (✖) का चिह्न लगाइए |

1. मालकिन हट्टी – कट्टी थी | ✓

2. मालकिन बहुत झगड़ालू थी | ✓

3. रगड़ने से पगड़ी चमकने लगी | ✖

4. पगड़ी एकदम साफ़ थी | ✖

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कम से कम शब्दों में लिखिए |

1. पगड़ी कैसी थी ?

पगड़ी मैली थी |

2. पगड़ी को कौन साफ़ कर रहा था ?

10 - पगड़ी

पगड़ी को धोबी साफ़ कर रहा था |

3. **मालकिन कैसी थीं ?**

मालकिन हट्टी- कट्टी और झगड़ालू थीं |

4. **अंत में पगड़ी का क्या हुआ ?**

अंत में पगड़ी तर गई |

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक से दो वाक्यों में लिखिए |

1. **पगड़ी को क्यों रगड़ा जा रहा था ?**

मैली होने के कारण पगड़ी को रगड़ा जा रहा था |

2. **मालकिन क्यों झगड़ रही थी ? सोचिए और लिखिए |**

पगड़ी के फट जाने के कारण मालकिन झगड़ रही थी |

3. **मालकिन कैसी थी ?**

मालकिन हट्टी – कट्टी और मोटी तगड़ी थी |

4. **रगड़ने पर पगड़ी का क्या हुआ ?**

इतनी ज़्यादा रगड़ने पर पगड़ी ही ना रही |

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए |

1. **• मालकिन ने मैली पगड़ी खूब रगड़ी। आप निम्न चीज़ों को किससे साफ़ करेंगे ?**

1. कागज़ .....

2. बर्तन .....

3. पत्ते .....

4. जूते .....

5. दाँत .....

• हम इन चीज़ों को निम्न बताये गए तरीके से साफ़ करेंगे -

1. कागज़ - रबड़ से
2. बर्तन - जूना, विम बार, राख आदि से
3. पत्ते - पानी या कपड़े से
4. जूते - पॉलिश-ब्रश या कपड़े से
5. दाँत - दातुन या ब्रश से

2. **काव्यांश की व्याख्या :**

मैली पगड़ी,

10 - पगड़ी

इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
रह गया मैल,
न रह गई पगड़ी।

शब्दार्थ : मैली-गंदी। पगड़ी-सिर पर लपेटकर बाँधने का कपड़ा। मैल- गंदगी

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम, भाग-1 में संकलित कविता 'पगड़ी' से ली गई हैं। इस कविता के रचयिता सर्वेश्वरदयाल सक्सेना हैं। इसमें कवि ने एक पगड़ी के विषय में बताया है।

व्याख्या: इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहता है कि एक मैली पगड़ी को नौकर ने रगड़-रगड़कर इतना साफ़ किया कि वह तो फट गई लेकिन उसका मैल खत्म नहीं हुआ।

3. काव्यांश की व्याख्या :

हट्टी-कट्टी।
मोटी-तगड़ी,
मलकिन झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
तर गया मैल,
और तर गई पगड़ी।

शब्दार्थ : हट्टी-कट्टी-मोटी-ताजी। तर जाना-पूरी तरह से मुक्त हो जाना।

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम, भाग-1 में संकलित कविता 'पगड़ी' से ली गई हैं। इस कविता के रचयिता सर्वेश्वरदयाल सक्सेना हैं। इसमें कवि ने एक पगड़ी के विषय में बताया है।

व्याख्या : नौकर के द्वारा पगड़ी की मैल को साफ़ किए जाने के क्रम में उसके फट जाने पर उसकी मालकिन ने खूब झगड़ा किया। उसने इतना झगड़ा किया कि इसमें पगड़ी और मैल दोनों ही तर गए।

4. पगड़ी को खूब रगड़ा तो पगड़ी फट गई। बताइए , इनको खूब रगड़ेंगे तो क्या होगा ?

कागज़ , बर्तन , जूते , स्वेटर , फ़र्श

कागज़ – फट जाएगा

बर्तन – घिस जाएंगे

जूते – फट जाएँगे

स्वेटर – फट जाएगा

फ़र्श – चमक जाएगा